शिक्षा एवं संस्कृति पर AI (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) का प्रभाव एक अध्ययन

डॉ. सुभाष सोनी, सहा. आचार्य, भौतिक विज्ञान, राजकीय नेहरू मेमोरियल स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हनुमानगढ, राजस्थान

शोध सारांश

AI ने संस्कृति को संरक्षित, संवर्धित और साझा करने के नए अवसर प्रदान किए हैं। हालांकि, इसके साथ ही सांस्कृतिक विविधता, पहचान और एथिकल चिंताओं से संबंधित चुनौतियां भी सामने आई हैं। AI का उपयोग विवेकपूर्ण तरीके से किया जाए, तो यह सांस्कृतिक समृद्धि को बढ़ावा देने में सहायक हो सकता है। भविष्य में, AI के माध्यम से सांस्कृतिक धरोहरों को संरक्षित करने, स्थानीय परंपराओं को बढ़ावा देने और वैश्विक सांस्कृतिक संवाद को प्रोत्साहित करने की व्यापक संभावनाएं हैं। समाज, सरकार, और तकनीकी विशेषज्ञों के सामूहिक प्रयास से AI का उपयोग मानवता की सांस्कृतिक विरासत को और समृद्ध करने के लिए किया जा सकता है। AI ने शिक्षा और संस्कृति दोनों क्षेत्रों में उल्लेखनीय परिवर्तन किए हैं। एक ओर, यह शिक्षा को अधिक सुलभ, समावेशी और प्रभावी बना रहा है, वहीं दूसरी ओर, यह संस्कृति के संरक्षण और प्रचार–प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह शिक्षा प्रणाली को अधिक व्यक्तिगत, समावेशी और प्रभावी बना रहा है। हालांकि, इसके साथ ही डेटा सुरक्षा, नैतिकता और आर्थिक असमानता जैसी चुनौतियां भी उत्पन्न हो रही हैं। भविष्य में, यदि AI का उपयोग विवेकपूर्ण तरीके से किया जाए, तो यह शिक्षा क्षेत्र में क्रांति ला सकता है। इसके लिए शिक्षकों, प्रशासन, और नीति निर्माताओं को मिलकर काम करना होगा। AI के उपयोग से शिक्षा को न केवल अधिक सुलभ बनाया जा सकता है, बल्कि यह छात्रों को भविष्य के लिए बेहतर तरीके से तैयार करने में भी मददगार साबित हो सकता।